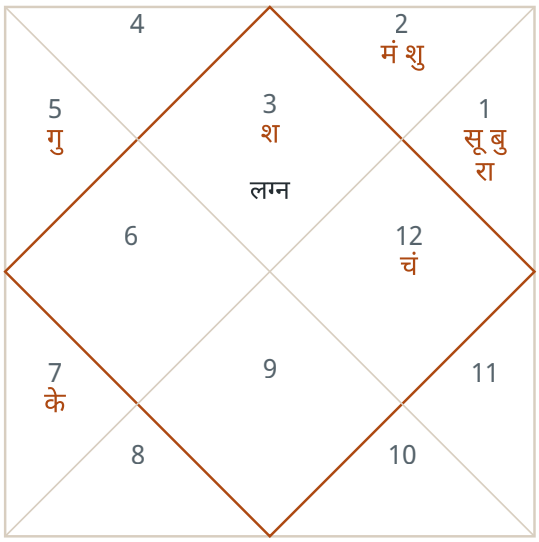
02 · एक नज़र में आपकी जन्म कुंडली

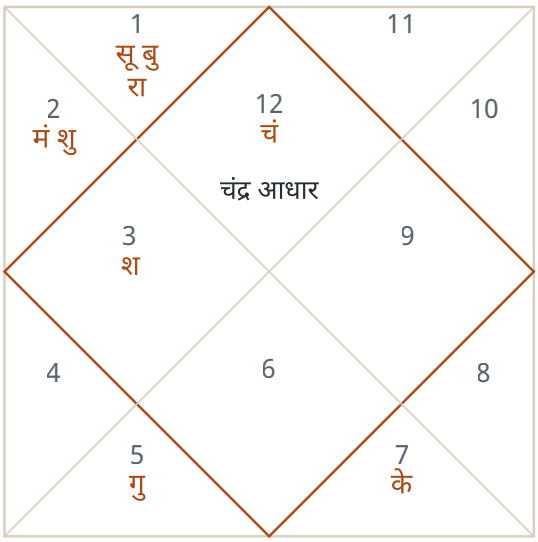
कुंडली का यह सार लग्न, राशि, नक्षत्र और अभी की दशा साथ दिखाता है।

लग्न मिथुन 1°26′ है। चंद्र मीन राशि में, रेवती नक्षत्र में हैं।

जन्म कुंडली



चंद्र कुंडली



सू सूर्य · चं चंद्र · मं मंगल · बु बुध · गु गुरु · शु शुक्र · श शनि · रा राहु · के केतु। अंक राशियाँ हैं: 1 मेष से 12 मीन। ऊपर का बीच वाला खाना पहला भाव है; भाव बाईं ओर गिने जाते हैं।

दशा	शुरुआत	अंत
शुक्र महादशा	17 दिसंबर 2025	17 दिसंबर 2045
शुक्र अंतर्दशा	17 दिसंबर 2025	18 अप्रैल 2029

मांगलिक जाँच का सार

कुछ आधारों पर मांगलिक संकेत

लग्न, चंद्र और शुक्र से अलग-अलग जाँच अगले हिस्से में है। आंशिक का मतलब कुछ आधारों पर संकेत है; यह खतरे का माप नहीं है।

04 · सोच, बातचीत और ग्रहों के मेल

ग्रहों के मेल आपकी सोच और बोलने के संदर्भ देते हैं। हर मेल की अपनी शर्त और सीमा है।

बुधादित्य योग

सूर्य और बुध का एक राशि में होना बातचीत, लेखन और समझाने के काम से जोड़ा जाता है। अपनी बात का एक उदाहरण रखकर देखें कि वह दूसरों तक साफ़ पहुँचती है या नहीं।

बुध अस्त या वक्री हों तो उनकी अलग स्थिति भी देखें; एक योग पूरी कुंडली का फैसला नहीं है।

अभी की सामान्य दशा (संबंधित ग्रह की अवधि आगे है): शुक्र अंतर्दशा · 17 दिसंबर 2025 – 18 अप्रैल 2029

क्यों: सूर्य मेष राशि में, भाव 11 (कमाई के मौके और संपर्क) में हैं। बुध मेष राशि में, भाव 11 (कमाई के मौके और संपर्क) में हैं।

06 · काम, करियर और अपनी दिशा

करियर में आपकी भूमिका, कौशल और काम की शर्तें साथ देखनी हैं। असली ऑफ़र और किए हुए काम से अगला फैसला जाँचें।

आपके काम का मुख्य आधार

करियर के स्वामी का संबंध अपनी मेहनत और संवाद से है। अपनी उपयोगी क्षमता का नमूना दिखाएँ, फिर बड़ी ज़िम्मेदारी की बात करें।

काम का नाम आकर्षक हो, तब भी समय और रोज़ की ज़िम्मेदारियाँ पढ़ें।

अभी की सामान्य दशा (संबंधित ग्रह की अवधि आगे है): शुक्र अंतर्दशा · 17 दिसंबर 2025 – 18 अप्रैल 2029

क्यों: गुरु सिंह राशि में, भाव 3 (अपनी मेहनत और संवाद) में हैं। बुध मेष राशि में, भाव 11 (कमाई के मौके और संपर्क) में हैं।

खास हुनर को काम में लाएँ

गुरु की स्थिति अपनी मेहनत और संवाद से जुड़ती है। गहराई से सीखी हुई बात को छोटे काम में परखें और जानकार की प्रतिक्रिया लें।

सिर्फ सीखते रहने से काम की उपयोगिता अपने-आप साबित नहीं होती।

अभी की सामान्य दशा (संबंधित ग्रह की अवधि आगे है): शुक्र अंतर्दशा · 17 दिसंबर 2025 – 18 अप्रैल 2029

क्यों: गुरु सिंह राशि में, भाव 3 (अपनी मेहनत और संवाद) में हैं।

साझेदार के साथ काम की शर्तें

काम की साझेदारी का स्वामी अपनी मेहनत और संवाद से जुड़ता है। साथ काम करने से पहले भूमिका और काम सौंपने की तारीख लिखें।

अच्छी बनती हो, तब भी भुगतान और अलग होने की शर्त साफ़ रखें।

अभी की सामान्य दशा (संबंधित ग्रह की अवधि आगे है): शुक्र अंतर्दशा · 17 दिसंबर 2025 – 18 अप्रैल 2029

क्यों: गुरु सिंह राशि में, भाव 3 (अपनी मेहनत और संवाद) में हैं। शनि मिथुन राशि में, भाव 1 (अपनी पहचान और फैसले) में हैं।

क्यों: दशमांश: जन्म कुंडली के संबंधित स्वामी गुरु मकर राशि के भाव 8 में हैं। यह जन्म कुंडली की जाँच में मदद करता है; अकेले इससे घटना की तारीख नहीं निकलती।

14 · अगले 24 महीने

अगले दो साल में हर विषय की तैयारी के लिए चुनी गई अवधियाँ यहाँ हैं। जहाँ उपलब्ध हो, अगले छह महीनों का एक मौका भी रखा गया है।

साथ देने वाला: कोशिश के लिए सहारा। सोचकर आगे बढ़ें: तैयारी और शर्तों की जाँच। सहारा बढ़ाएँ: कम बोझ और ज़्यादा मदद। अहम प्रतिबद्धता: गंभीर फैसला, मेहनत चाहिए। ये सफलता की संभावना के प्रतिशत नहीं हैं।

विषय और तारीख	संकेत	कदम और कारण
काम 8 नवंबर 2026 – 1 दिसंबर 2026	साथ देने वाला	अपने काम का एक अच्छा नमूना तैयार करें। चुनी हुई जगहों पर आवेदन भेजें और लिखित ऑफ़र पढ़ें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मीन में।
काम 1 जुलाई 2027 – 1 अगस्त 2027	साथ देने वाला	अपने काम का एक अच्छा नमूना तैयार करें। चुनी हुई जगहों पर आवेदन भेजें और लिखित ऑफ़र पढ़ें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मेष में।
पैसे 1 फ़रवरी 2027 – 1 मार्च 2027	साथ देने वाला	तय खर्च और किस्तें लिखें। बचत के लिए वही रकम रखें जो ज़रूरी खर्च के बाद बचती है। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर कर्क में; शनि का गोचर मीन में।
पैसे 1 जून 2027 – 1 जुलाई 2027	सोचकर आगे बढ़ें	तय खर्च और किस्तें लिखें। बचत के लिए वही रकम रखें जो ज़रूरी खर्च के बाद बचती है। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर कर्क में; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मीन में; शनि का गोचर मेष में।
पढ़ाई 8 नवंबर 2026 – 1 दिसंबर 2026	साथ देने वाला	समय बाँधकर एक अभ्यास-परीक्षा दें। जिन सवालों में गलती हुई, उन्हें दोबारा समझें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मीन में।
पढ़ाई 1 जुलाई 2027 – 1 अगस्त 2027	साथ देने वाला	समय बाँधकर एक अभ्यास-परीक्षा दें। जिन सवालों में गलती हुई, उन्हें दोबारा समझें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मेष में।
रिश्ते 8 नवंबर 2026 – 25 जनवरी 2027	अहम प्रतिबद्धता	दोनों की सहमति से समय, पैसे और परिवार की सीमाओं पर खुलकर बात करें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मीन में।
रिश्ते 20 अक्टूबर 2027 – 26 नवंबर 2027	अहम प्रतिबद्धता	दोनों की सहमति से समय, पैसे और परिवार की सीमाओं पर खुलकर बात करें। **क्यों:** शुक्र अंतर्दशा; शुक्र महादशा; गुरु का गोचर सिंह में; शनि का गोचर मीन में।

प्रतिबद्धता की मुख्य अवधि

8 नवंबर 2026 – 25 जनवरी 2027

शादी के भाव या उसके स्वामी पर गुरु और शनि दोनों का संबंध, साथ में जुड़ी हुई दशा है। नवांश अलग से जाँचा गया है। इसे तय शादी की तारीख न मानें।